किसानों के कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण

"ऊसर भूमि में उत्तम खेती"

प्रेस विज्ञप्त

आज दिनांक 24.02.2021 को केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, लखनऊ एंव बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड एंव हिमाचल प्रदेश के किसानों के लिये ऊसर भूमि में उत्तम खेती विषय पर किसानों के कौशल विकास के लिए एकदिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण के मुख्य अतिथि डा. दिनेश कुमार शर्मा, पूर्व निदेशक, के. मृ. ल. अनु. सं., करनाल एवं अतिविशिष्ट अतिथि डा. राणा प्रताप सिहं, अधिष्ठाता, बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, रहे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के निर्देशक डा. संजय अरोरा, प्रधान वैज्ञानिक तथा मुख्य आयोजनकर्ता प्रो. नवीन कुमार अरोरा थे।

इस प्रशिक्षण मे प्रत्येक प्रदेश से दस–दस किसानों ने भाग लिया जिसमें महिला किसानों की प्रतिभागिता सराहनीय रही। डा. यशपाल सिंह, अध्यक्ष केन्द्रीय मृदा लवणता अनुंसधान संस्थान, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, लखनऊ ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एंव किसानों का पूर्णभावेन स्वागत किया एंव संस्थान के द्वारा किये जा रहे कृषि एंव कृषकोपयोगी शोध की जानकारी दी एंव संस्थान का संक्षिप्त परिचय दिया। संस्थान के अध्यक्ष डॉ0 यशपाल सिंह ने संस्थान के द्वारा ऊसर भूमि के सुधार एवं प्रबंधन पर किये जा रहे प्रयासों के बारे में मुख्य अतिथि एवं किसानों को अवगत कराया। संस्थान के द्वारा विकसित जैविक उर्वरक जैसे हैलो ऐजो, हैलो पी.एस.बी., हैलो जिंक, सी.एस.आर.बायो, फसल अवशेष विगालक हैलो– सी.आर.डी., आईसीआर. फ्यूजीकांट एवं जिपकिट प्रशिक्षण के मुख्य आकर्षण रहे। प्रो. राणाप्रताप सिंह, अधिष्ठाता, बी. बी. ए. यू. लखनऊ ने अपने विशिष्ट संबोधन में किसानों को जागरूक रहने और भविष्य में आने वाली कृषि कठिनाईयों के निराकरण के लिये इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों मे भाग लेने पर बल दिया। मुख्य अतिथि डा. दिनेश कुमार शर्मा ने किसानों से अपने लंबे अनुभवों को साझा किया तथा उन्हें सत्त उद्यमशील होने एवं आधुनिक तकनीक अपनाने पर बल दिया। ऊसर मृदा सुधार एवं फसल प्रबंधन, कृषक समृद्धि के लिये समन्वित कृषि प्रबंधन एवं सूक्ष्म जीवों से ऊसर मृदा स्वास्थय सुधार एवं फसल उत्पादन पर डा. यशपाल सिंह, डा. छेदीलाल वर्मा एवं डा. संजय अरोरा ने व्याख्यान दिये। व्याख्यान के पश्चात किसान–वैज्ञानिक संवाद बड़ा आर्कषक रहा। सभी किसानों के शिवरी शोध प्रक्षेत्र पर हो रहे ऊसर सुधार परीक्षण का अपरांन्ह में भ्रमण किया जहां डा. अर्जुन सिंह एवं डा. श्याम जी मिश्रा ने किसानों को जानकारी दी। किसानों के लिये यह प्रशिक्षण बड़ा

उपयोगी एवं रूचिकर रहा। डा. संजय अरोरा के उद्घाटन सत्र एवं डा. जितेन्द्र मिश्र के तकनीकी सत्र के धन्यवाद ज्ञापन के साथ यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

किसानों के कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण
24 फरवरी 2021
विद्या विहार, रायबरेली रोड,लखनऊ
केंद्रीय अनुसंधान केंद्र, लखनऊ

किसानों के कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण
उत्तर भारत में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवम् नवाचार केंद्र (उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश)
(डी.एस.टी.-सी.ई.ई.डी. द्वारा प्रायोजित)
24 फरवरी 2021
द्वारा सह-आयोजित
पर्यावरण विज्ञान विभाग
बाबासाहेबभीमराव अंबेडकर (केंद्रीय) विश्वविद्यालय, विद्या विहार, रायबरेली रोड,लखनऊ
एवम्
भा.कृ.अ.नु.प.-केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, लखनऊ